

ओशो वर्ल्ड की गतिविधियां



ओशो वर्ल्ड गैलेरिया में वर्ष का पहला सप्ताह हमेशा की ही भांति हंसी और उत्सव के साथ आरंभ हुआ। प्रसिद्ध हास्य कवि श्री सुरेंद्र शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ सप्ताह का आरंभ हुआ। इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि होतेई जब संबुद्ध हुए तो हंसे और बुद्धत्व के पश्चात् वे 30 वर्षों तक शरीर में रहे और वे लगातार हंसते रहे। यहां तक कि जब वे सोते तो उनके शिष्यों ने उन्हें ही-ही कर हंसते हुए सुना। सम्पूर्ण दुनिया के लिए उनका केवल एक ही संदेश है—हंसी।

श्री सुरेंद्र शर्मा की कविताएं भी ऐसा ही संदेश बिखेरती हैं। उनकी हंसी में भी कुछ इस तरह का आकर्षण था कि जब उन्होंने हंसना आरंभ किया तो थोड़ी ही देर बाद हंसी की लहर पूरी गैलेरिया और उसके बाहर तक फैल गई।

‘मैं जब तुम्हें हंसते हुए देखता हूँ, यह मेरा आहार है। जब मैं तुम्हें मेरे साथ गाते और नाचते देखता हूँ, मैं स्वस्थ होता हूँ। दवाइयां जो मेरे लिए नहीं कर सकती, मेरे आनंदित लोग करते हैं।’

—ओशो

